

तीमुपयाताम् KATHÁS. 10, 216. Häufig auch हर्ति Uśával. zu UNÁDIS. 4, 179. ÇABDAR. im ÇKDR. HARIV. 8641. RAGH. 18, 52. 19, 18. KUMĀRAS. 4, 16. मदन° VIKR. 88. स्थाने प्राणाः कामिनो हृत्यधोनाः (हृति oder हृती) MĀLAV. 49. Vgl. कामहृती. — b) ein best. Vogel (s. सारिका) RĀ-ÉAN. im ÇKDR. — Wohl desselben Ursprungs wie हर्.

1. हृतक (von हृत) 1) m. Bote, Abgesandter: देव° MBH. 3, 15438. — 2) f. हृतिका Botin, Unterhändlerin (in Liebesangelegenheiten) ÇABDAR. im ÇKDR. PAÑKĀT. I, 178. 40, 11. VET. 24, 14. 23, 9. Mittheile-
rin, Verrätherin: वाचमप्रमतवहृतिकाम् RĀÉA-TAR. 6, 362. 3, 279. Vgl. काम°.

2. हृतक so heisst Agni als Waldbrand: (अग्निः) वनदाके हृतकः Gṛh-
JASAMGR. 1, 10. Wohl in etym. Zusammenhange mit दाव.

हृतघ्नी (हृत + घ्नी) f. N. eines Baumes, = कदम्बपुष्पी ÇABDAR. im ÇKDR.

हृतव (von हृत) n. der Dienst oder das Amt eines Abgesandten PAÑKĀT. 24, 5.

हृताङ्गद (हृत + अङ्गद) n. Aṅgada als Abgesandter, Titel eines
Schauspiels Verz. d. Oxf. H. No. 276.

हृतीका f. = हृतिका (s. u. हृतक) ÇABDAR. im ÇKDR.

हृतीव n. nom. abstr. von हृती (s. u. हृत) ÇUK. 44, 4.

हृत्य ved., हृत्य klass. (von हृत) n. der Dienst oder das Amt eines
Abgesandten, Botschaft P. 4, 4, 120. SIDDH. K. zu P. 5, 1, 126 (हृत्य°).
AK. 2, 8, 4, 16. MBH. j. 31. किमीयेते हृत्यम् RV. 1, 161, 1. अग्निश्चरति
हृत्यम् 8, 39, 1. 1, 12, 4. वेर्धुरस्य हृत्यानि विद्वान् 4, 7, 8. 8, 4. 7, 11, 2.
9, 45, 2. 10, 70, 3. VS. 2, 9. HARIV. 6180. KĀM. NĪTIS. 12, 1. RĀÉA-TAR. 3,
434. Auch हृत्या f. KATHÁS. 13, 132. — Vgl. दौत्य.

हृत s. u. उ.

हृप्र adj. stark (बलवत्) UNÁDIS. im SĀṆKSHIPTAS. ÇKDR.

हर् Name des Prāṇa als Gottheit ÇAT. BR. 14, 4, 1, 10.

हर् UNÁDIS. 2, 20. adj. f. धी fern, weit; n. (SIDDH. K. 249, b, 1) Ferne.
Entfernung NIR. 3, 19. AK. 3, 2, 18. H. 1452. mit dem abl. oder gen. P.
2, 3, 34. VOP. 5, 22. गत्वा हर्ममधानम् MBH. 9, 1738. R. 2, 93, 5. 3, 15, 5.
KATHÁS. 10, 1. AK. 2, 1, 18. H. 985. देशे ÇAUT. (BR.) 5. अतिहर्मासु — आ-
खेटकभूमिषु KATHÁS. 16, 47. शरीरस्य गुणानां च हर्ममत्यन्तमन्तरम् HIT. I,
43. मनसो ऽपि हर्माः BHĀG. P. 4, 1, 28. न योजनशतं हर्मां वाक्यमानस्य तृ-
ज्जया HIT. I, 139. संयोगः — हर्मवियोगः (v. l. भूरिवि°) PRAB. 96, 16. उ-
तद्ध परमं हर्मां यत्सकृन्नयोजनम् ÇAT. BR. 9, 1, 4, 28. हर्मां हि पथस्त्वमागता
eine weite Strecke Weges SĀV. 3, 38. 45. compar. दैवीयम् P. 6, 4, 156.
VOP. 7, 56. AK. 3, 2, 18. H. 1452. पदवी — न दवीयसी BHART. 1, 68. द-
वीयसि — दीयात्तरे KATHÁS. 25, 32. 16, 5. RĀÉA-TAR. 4, 369. हर्मादेश-
म् SĀH. D. 20, 20. superl. दैविष्ठ P. 6, 4, 156. VOP. 7, 56. AK. 3, 2, 18. H.
1452. कार्याणि RĀÉA-TAR. 4, 365. Die verschiedenen Casus des Wortes
adverbialiter gebraucht: 1) acc. हर्मम् fernhin, weit weg, fern, fern von
P. 2, 4, 35. हर्मं ग्रामस्य oder ग्रामात् 34, Sch. VOP. 5, 22. RV. 1, 29, 6, 7,
20, 7. आराच्छत्रुमप वाधस्व हर्मम् 10, 42, 7. हर्मित पणयो वरीयः 108,
11. हेतुं हर्मं नैतु गोभ्यः AV. 6, 39, 3. 7, 42, 1. 8, 7, 14. 9, 2, 17. ते ते य-
द्वं सर्वेदसो हर्मादूर्मनीनशन् (= हर्मादूर्वीयः, हर्मादूर्तरम्; s. weiter
unten) 12, 2, 14. — VS. 34, 1. ÇAT. BR. 11, 3, 4, 7. 14, 4, 4, 10. पौरैरनुगतो

हर्मम् R. 1, 1, 28. 51. 77, 8. 2, 40, 48. R. GORR. 1, 33, 17. 3, 64, 21. ÇĀK. 5,
5. PAÑKĀT. 232, 11. HIT. 18, 18. KATHÁS. 3, 53. हर्ममुद्धृतायाः MEGH. 56.
weit nach oben, hoch: हर्मादूर्ध्वः सविता ÇĀK. 57, 2, v. l. कथमयमेताव-
दूर्मुत्पतति HIT. 27, 19. weit nach unten, tief: शिरोभिः प्रणता हर्मां पर-
मैष्ठिनम् HARIV. 14084. निमग्नो हर्ममभसि KATHÁS. 10, 29. weit so v. a.
bedeutend, in hohem Grade: हर्मते विपरीते विषूची अविद्या या च वि-
द्येति ज्ञाता KATHOP. 2, 4. अयमनयातिशयपीतया मदिरया हर्ममुन्मनोक्तः
PRAB. 62, 3. मया स उर्मतिर्हर्ममुदमाद्यत DAÇAK. in BENF. Chr. 190, 7. हर्मां
कर (vgl. हरीकर) übertreffen: सा (आशीः) तस्य कर्मनिवृत्तैर्हर्मां पश्चा-
त्कृता फलैः RAGH. 17, 18. compar. दैवीयम् परं नेदीयो ऽवर्तं दवीयः AV.
10, 8, 8. ÇAT. BR. 3, 6, 2, 3. हर्मादूर्वीयो अर्धं मेघं शत्रून् RV. 6, 47, 29. हर्मा-
तरम् हर्मादूर्तरं गावो ह्रियते कुहमिर्हि नः MBH. 4, 1207. समुद्धर्तर-
म् R. 6, 99, 24. MĀKĀH. 159, 19. BHART. 3, 75. PAÑKĀT. 63, 10. BHĀG. P. 3,
17, 25. — 2) instr. हर्मां fern, aus der Ferne P. 2, 3, 35. हर्मां संत्यज्य-
ताम् BHART. 1, 80. bei Weitem: हर्मां ह्यवरं कर्म बुद्धियोगात् BHĀG. 2,
49. स्तुतिभ्यो व्यतिरिच्यते हर्मां चरितानि ते RAGH. 10, 31. — 3) abl.
हर्मात् aus der Ferne, von fern, fern P. 2, 3, 35. अस्मिन् — हर्मात् RV.
2, 27, 13. 3, 89, 2. हर्मात् — आसात् 4, 20, 1. 1, 27, 3. ययौ हर्मात् 3, 33, 9.
5, 83, 3. 6, 38, 2. 7, 33, 1. 2. AV. 5, 18, 9. 7, 45, 1. KĀTJ. ÇR. 1, 8, 19. P. 1, 2,
33. M. 2, 186. R. 1, 9, 53. 2, 23, 26. 3, 22, 19. 37, 5. 48, 10. BHART. 1, 83.
3, 18. RAGH. 1, 61. MEGH. 73. VID. 50. HIT. I, 46. 173. 14, 9. 27, 1. BHĀG. P.
3, 1, 29. हर्मादवसथात् fern von M. 4, 151. हर्मादेव परितेन ब्राह्मणं वेद-
पारगम् so v. a. von allen Seiten, genau 3, 130. हर्मात् in comp. mit ei-
nem partic. praet. pass. P. 2, 1, 39. 6, 3, 2. हर्मादगर्तं Sch. zu P. 6, 2, 144.
SIDDH. K. zu P. 6, 2, 49. Vgl. हर्मतम्. — 4) loc. हर्मां in der Ferne, fern,
weit weg P. 2, 3, 36. Sch. हर्मां — अस्ति RV. 4, 4, 3. 9, 19, 7. — 1, 24, 9.
132, 6. 3, 9, 2. 5, 7, 4. यो नो हर्मां तृक्तीतो या अरातयो ऽभि सन्ति 2, 23, 9.
न ते हर्मां परमा चिद्रक्षासि 3, 30, 2. 7, 77, 4. AV. 3, 3, 2. 23, 1. ÇAT. BR. 1,
6, 4, 21. 10, 5, 2, 17. हर्मां — अस्तिके ĪÇOP. 5. — M. 8, 42. 203. N. 20, 3. R.
GORR. 2, 28, 32. 3, 78, 11. न मे हर्मां किञ्चित्क्षणमपि न पार्श्वे रघवजात् ÇĀK.
9. PRAB. 23, 2. हर्मां परिक्रनीयमस्य दर्शनम् 46, 5. हर्मां प्राणभयं त्यक्त्वा
(vgl. u. हर्मतम्) R. 6, 107, 4. जग्मुर्हर्मां MBH. 9, 1737. सत्यं च हर्मां गतम्
VET. 33, 18. हर्मां विषयस्य क्वा क्वाव machte sich auf und davon KATHÁS.
10, 216. दत्तास्तव पुनः पाप दोनारा वक्त्वा मया । हर्मां तिष्ठतु तद्द्विस्त्व-
या ते ऽपि न रजिताः ॥ die Zinsen davon mögen in weiter Ferne sein
so v. a. auf die Zinsen will ich gern verzichten 6, 37. हर्मां ग्रामात् in
einiger Entfernung von M. 11, 128. दवीयसि परः weiter hinans, in fer-
nerer Zeit ÇAT. BR. 10, 4, 2, 26. — 5) am Anf. eines comp. ohne Casus-
zeichen: हर्मोरोद्धृत्वात् weithin BHĀG. P. 8, 6, 34. हर्मोन्नमितेन कण्ठेन
VIKR. 81. हर्मविदारितानन mit weit aufgesperrtem Maule R. 1, 14 (v.
l. für भूरि). नवाम्बुभिर्हर्मविलम्बिनो घनाः tief hinunter ÇĀK. 109 (v. l.
für भूरि). हर्मस्थित fernstehend SŪVĀS. 2, 52. हर्मगृह् dessen Haus in
der Ferne ist R. 4, 30, 6. हर्मवन्धु adj. MBH. 13, 4522. MEGH. 6. हर्मस्व-
र्ग adj. BHĀG. P. 8, 21, 33. हर्मसूर्य adj. R. 3, 22, 9. — Wohl desselben Ur-
sprungs wie हृत. Vgl. अतिहर्मा, अहर्मा.

हर्मादिष् (हर्मा, loc. von हर्मा, + आ°) adj. weithin verkündend: जग्मु-
न्मा हर्मादिशं ज्ञाकमेदः RV. 1, 139, 10.

हर्माधी (हर्मा + आधी) adj. in die Ferne sinnend, sich hinausseh-